No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2016

01566

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. बौद्ध धर्म का विकास और इसमें अश्वघोष के योगदान का विवेचन कीजिए । *10*

अथवा

नागार्जुन के दार्शनिक सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए ।

2. लोकायत दर्शन के महत्त्वपूर्ण पक्षों पर विचार कीजिए । *10*

अथवा

सिद्ध संप्रदाय के विकास में चौरासी सिद्धों की भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

3. महानुभाव पंथ के संस्थापक चक्रधर स्वामी की मान्यताओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । *10*

अथवा

नाथ साहित्य का परिचय देते हुए दलित साहित्य के विकास में इसकी भूमिका स्पष्ट कीजिए ।

4. निर्गुण संत कवियों के सामाजिक पक्ष की विवेचना कीजिए । *10*

अथवा

कन्नड़ के संत भक्ति साहित्य के वैविध्य पर प्रकाश डालिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) बौद्ध दार्शनिक दिंङ्नाग

(ख) मिलिन्द प्रश्न

(ग) बसवेश्वर

(घ) सिद्ध-परंपरा में स्त्री